AKBAR
PART 2

अकबर की राजपूत नीति

⇒ सल्तनत काल से विपरीत राजपूतों के साथ मैत्रीपूर्ण अथवा उदारवादी नीति ने मुगलों को स्थायित्व प्रदान किया।

⇒ अपनी मृत्यु के पहले हुमायूँ ने अकबर को सलाह दिया था कि राजपूतों की परवरिश करना चाहिये क्योंकि उनकी प्रवृत्ति उल्लंघन एवं अवज्ञा की नहीं बल्कि आज्ञा-पालन एवं सेवा की है।

⇒ अकबर नवनिर्मित मुगल शासन के प्रति उनकी निष्ठा चाहता था जिसके 4 तत्व थे -

1) राजपूत शासकों को एक निश्चित खराज की रकम देनी होती थी।
2) विदेश नीति पर अधिकार नहीं था।
3) आवश्यकता पड़ने पर सेना देनी थी।
4) स्वयं के राज्य को मुगलों का अंग समझना था न कि स्वतंत्र इकाई।

जिन राजाओं ने नहीं माना उनके दुर्गों पर अधिकार करके उनको समाप्त कर

दिया या संधि कर ली।

~~अकबर~~।

=> जिसने मान लिया उसे सम्मान दिया सम्बन्धी बनाया। ~~और~~ ~~आंतरिक~~

=> सम्मान देने के लिये उन्हे उच्च पद और मनसब दिये।

=> वैवाहिक सम्बन्ध इस नीति का प्रमुख आधार थी।

=> आमेर के राजा भारमल की पुत्री से अकबर का विवाह इसकी शुरुआत थी।

=> अकबर से पूर्व ही विवाह के आधार पर राजनयिक सम्बन्धों का निर्वहन हो रहा था। किन्तु अकबर ने इन सम्बन्धों को पूर्ण रूप से विभिन्न स्वरूप दिया।

=> विवाहित कन्या को धार्मिक स्वतंत्रता दी गई एवं परिवार वालों को ऊँचे पद दिये गये।

=> अकबर इस तथ्य से भी परिचित था कि यदि वह राजपूतों को अपनी ओर नहीं मिलाता है तो वे अफगानों से

25 THURSDAY

साथ मिलकर अकबर के लिये खतरा बन सकते हैं।

3) राजपूतों को मुगल प्रशासनिक सेवा में लेने के लिये भी अकबर ने विशेष लिये। इसप्रकार वह अन्य दरबारी वर्गों को संतुलित करने का भी प्रयास करता है।

3) धार्मिक सहिष्णुता भी राजपूतों को आकर्षित करने की नीति थी जैसे 1562 में तीर्थयात्रा कर तथा 1564 में जजिया की समाप्ति इसी दिशा में किये गये प्रयास हैं।

3) इन एवं व्यापारिक कारणों से यह मार्ग अत्यन्त महत्वपूर्ण था जो इस नीति के कारण अकबर के लिए सुलभ थी।

इसप्रकार राजपूत न केवल मुगलों के मध्य मित्र के रूप में उभरे वरन् प्रशासन एवं सेना में सहयोगी सिद्ध हुये।

यह मैत्री दोनों पक्षों के लिये लाभप्रद सिद्ध हुई एवं अनावश्यक युद्धों से बचा जा सका।

अकबर को भी शान्तिपूर्ण शासन चलाने, राजस्व बढ़ाने एवं अन्य कार्यों को करने का समय मिल सका।

इस प्रकार अकबर की राजपूत नीति आगे आने वाले शासकों के लिये भी पथप्रदर्शक बनी रही एवं यह स्थिति काफी समय तक यथावत बनी रही।